नागपुर में स्वदेशी ड्रोन रोधी प्रणाली 'भार्गवास्त्र' का सफल परीक्षण

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारतीय सेना के समक्ष सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड ने नागपुर में स्वदेशी ड्रोन रोधी प्रणाली 'भार्गवास्त्र' का सफल प्रत्यक्ष परीक्षण किया। कंपनी का दावा है कि यह प्रणाली हवाई हमलों तथा ड्रोन के झुंड जैसे उभरते खतरों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम है। इसे सेना के कमान एवं संचार तंत्र से भी जोड़ा जा सकता है, जिससे विभिन्न सैन्य अभियानों में इसका उपयोग किया जा सकेगा।

कंपनी के अनुसार 'भार्गवास्त्र' को विशेष रूप से शत्रु के ड्रोन तथा स्वचालित रूप से संचालित होने वाले ड्रोन के समूहों को निष्क्रिय करने के लिए विकसित किया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार परीक्षण की तिथि तथा भारतीय सेना की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया अभी सामने नहीं आई है। हालांकि कंपनी ने परीक्षण को सफल बताया है। यह प्रणाली वाहन पर आसानी से स्थापित की जा सकती है, जिससे आवश्यकता के अनुसार इसे शीघ्र एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाकर तैनात किया जा सकता है। कंपनी का कहना है कि इस विशेषता से विभिन्न क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई करना अधिक सरल होगा। 'भार्गवास्त्र' में स्वदेश में विकसित रॉकेट तथा सटीक लक्ष्य भेदने वाले सूक्ष्म प्रक्षेपास्त्र लगाए गए हैं। कंपनी का दावा है कि ये शत्रु के ड्रोन को हवा में ही नष्ट करने की क्षमता रखते हैं। इसके अतिरिक्त प्रणाली को रेगिस्तान, मैदानी क्षेत्रों तथा समुद्र तल से पांच हजार मीटर तक की ऊंचाई वाले पर्वतीय इलाकों में भी तैनात किया जा सकता है। इसे विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों में प्रभावी संचालन के अनुरूप विकसित किया गया है। प्रणाली के नियंत्रण केंद्र में दस किलोमीटर तक ड्रोन का पता लगाने में सक्षम रडार तथा विशेष संवेदक लगाए गए हैं। कंपनी के अनुसार ये संवेदक लक्ष्य की पहचान करने और उसका लगातार पीछा करने में सहायता करते हैं, जिससे समय रहते ड्रोन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा सकती है।

सेना के संचार तंत्र से जुड़ने में सक्षम, ड्रोन के झुंड से निपटने का दावा

होटल की खिड़की से झील में गिरने से मासूम की मौत

▶▶ दिल्ली से परिवार के साथ घूमने आई दो वर्षीय बच्ची हादसे का शिकार

नईदुनिया ब्यूरो, उदयपुर: उदयपुर के जगत निवास होटल में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में दो वर्षीय बालिका की पिछोला झील में गिरने से मौत हो गई। बालिका अपने माता-पिता के साथ दिल्ली से उदयपुर घूमने आई थी। घटना के बाद झील से उसे बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घंटाघर थाना पुलिस के अनुसार नई दिल्ली के फतेहपुर बेरी असोला निवासी सोनू सिंह तंवर अपनी पत्नी डॉ. मोनिका और दो वर्षीय पुत्री धीमही के साथ उदयपुर आए थे। परिवार जगत निवास होटल में ठहरा हुआ था। शनिवार सुबह सभी होटल की दूसरी मंजिल पर नाश्ता करने पहुंचे। इसी दौरान माता-पिता भोजन लेने के लिए आगे बढ़े, जबकि पीछे मौजूद बालिका होटल की खिड़की से सीधे झील में गिर गई। घटना होते ही वहां मौजूद लोगों ने तत्काल बालिका को झील से बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

हादसे के बाद बालिका के पार्थिव शरीर को महाराणा भूपाल चिकित्सालय की शवगृह में रखा गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया और शव परीक्षण के बाद पुलिस ने पार्थिव शरीर परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद परिजन एंबुलेंस से अपनी पुत्री का पार्थिव शरीर लेकर दिल्ली के लिए रवाना हो गए। पुलिस ने घटना की जानकारी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई पूरी की।

पंजाब की पंथक राजनीति में अमृतपाल सिंह का बढ़ता प्रभाव

▶▶ वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा, कई अकाली नेता पार्टी में शामिल

नईदुनिया ब्यूरो, अमृतसर: अकाली दल (वारिस पंजाब दे) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह को संसद के मानसून सत्र में भाग लेने की अनुमति देने की मांग की है। पार्टी के महासचिव मनदीप सिंह सिद्धू ने पत्र में कहा है कि अमृतपाल सिंह को अपने संसदीय क्षेत्र से जुड़े मुद्दे सदन में उठाने का अवसर मिलना चाहिए।

इसी बीच पंजाब की पंथक राजनीति में अमृतपाल सिंह का प्रभाव बढ़ने की चर्चा तेज हो गई है। उनकी पार्टी पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, चाहे अमृतपाल सिंह जेल में ही क्यों न हों। उल्लेखनीय है कि उन्होंने वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव भी जेल में रहते हुए जीता था।

पार्टी का संगठनात्मक विस्तार भी लगातार हो रहा है। फरीदकोट के सांसद सरबजीत सिंह खालसा, अकाली नेता इकबाल सिंह झूंदा, विधायक मनप्रीत सिंह अयाली, पूर्व विधायक दर्शन सिंह शिवालिक, संता सिंह उमेदपुरी और अभिनेता रब्बी कंदोला सहित कई नेता पार्टी में शामिल हो चुके हैं। माना जा रहा है कि आने वाले समय में कुछ अन्य नेता भी पार्टी का दामन थाम सकते हैं।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों ने भी बदलते राजनीतिक समीकरणों के संकेत दिए थे। खडूर साहिब लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली नौ विधानसभा सीटों में से आठ पर अमृतपाल सिंह को बढ़त मिली थी। वहीं फरीदकोट लोकसभा क्षेत्र की नौ विधानसभा सीटों में से सात पर सरबजीत सिंह खालसा आगे रहे थे। इन परिणामों ने पंथक क्षेत्रों में नए राजनीतिक समीकरण बनने की संभावना को बल दिया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अमृतपाल सिंह की बढ़ती राजनीतिक सक्रियता का सबसे अधिक प्रभाव शिरोमणि अकाली दल पर पड़ सकता है, क्योंकि पंथक मतदाताओं का एक वर्ग नई राजनीतिक दिशा की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। यदि वर्ष 2024 जैसे परिणाम वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भी दोहराए गए तो आम आदमी पार्टी को भी खडूर साहिब और फरीदकोट क्षेत्र में चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। कांग्रेस पर इसका प्रभाव अपेक्षाकृत सीमित माना जा रहा है, जबकि भारतीय जनता पार्टी पर असर कम रहने का अनुमान है।

विश्लेषकों के अनुसार शिरोमणि अकाली दल के लगातार कमजोर होने से पंथक राजनीति में नेतृत्व का एक रिक्त स्थान बना है। वर्ष 2015 की घटनाओं, उसके बाद राजनीतिक समर्थन में आई गिरावट, वर्ष 2020 में भारतीय जनता पार्टी से गठबंधन टूटने तथा वर्ष 2022 के विधानसभा और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में कमजोर प्रदर्शन के बाद पंथक राजनीति में नए नेतृत्व की चर्चा तेज हुई है। ऐसे में वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव पंजाब की पंथक राजनीति की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण चुनाव माना जा रहा है।

फ्रांस और स्पेन के जंगलों में भीषण आग

आग की विभीषिका के बीच 2.20 लाख लोगों को घर छोड़ने पड़े

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: फ्रांस और स्पेन में भीषण जंगल की आग ने व्यापक तबाही मचाई है। लगातार फैल रही आग के कारण दोनों देशों में अब तक लगभग 2.20 लाख लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। भीषण गर्मी और आग की घटनाओं ने जनजीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

वन क्षेत्रों में लगी आग तेजी से फैलने के कारण प्रभावित इलाकों में लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। आग की विभीषिका के चलते बड़ी संख्या में लोगों का विस्थापन हुआ है और प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। भीषण गर्मी के बीच जंगलों में लगी आग ने कई क्षेत्रों में स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। आग पर काबू पाने के प्रयास लगातार जारी हैं।

फ्रांस और स्पेन के प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। राहत एवं बचाव दल आग प्रभावित इलाकों में आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में जुटे हैं। आग के कारण बड़ी संख्या में लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। जंगल की आग की इस गंभीर स्थिति ने दोनों देशों में चिंता बढ़ा दी है। प्रशासन प्रभावित लोगों की सुरक्षा और राहत कार्यों को प्राथमिकता देते हुए हालात पर नियंत्रण पाने के प्रयास कर रहा है। फिलहाल आग से प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और राहत कार्य जारी हैं।

गुजरात और असम में बारिश-बाढ़ का कहर, कई राज्यों में चेतावनी

▶▶ गुजरात में पांच और असम में 24 घंटे में 14 लोगों की मौत, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश व राजस्थान में भी भारी वर्षा की आशंका

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश के विभिन्न राज्यों में लगातार हो रही वर्षा से जनजीवन प्रभावित है। गुजरात में भारी वर्षा के कारण कई जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों से अब तक 40,500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। वर्षा से जुड़े विभिन्न हादसों में पांच लोगों की मृत्यु हो गई है। स्थिति को देखते हुए अहमदाबाद में शनिवार को सभी विद्यालय, महाविद्यालय और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटे के दौरान बाढ़ से 14 लोगों की मृत्यु हुई है, जिसके बाद मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 61 हो गई है। राज्य के 12 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं और 7.05 लाख से अधिक लोग इसका सामना कर रहे हैं। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है। उत्तर प्रदेश में पिछले 15 दिनों से लगातार वर्षा हो रही है। इसे देखते हुए राज्य के 30 जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है। राजस्थान में भी वर्षा का दौर जारी है। मौसम विभाग ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लिए नारंगी और पीला चेतावनी स्तर घोषित किया है। प्रशासन ने लोगों से आवश्यक सावधानी बरतने और मौसम विभाग की सलाह का पालन करने की अपील की है।

उधर, खराब मौसम के कारण छह दिनों तक स्थगित रहने के बाद अमरनाथ यात्रा शनिवार से पुनः शुरू हो गई। मौसम में सुधार आने के बाद श्रद्धालुओं को यात्रा की अनुमति दी गई है। प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ श्रद्धालुओं से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है।

महिला इंस्पेक्टर की शिकायत पर सब इंस्पेक्टर के विरुद्ध दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज

▶▶ नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म, वीडियो बनाकर ब्लैकमेल और जबरन गर्भपात कराने के आरोप

नईदुनिया ब्यूरो, लुधियाना: पंजाब के लुधियाना में एक महिला पुलिस निरीक्षक की शिकायत पर पुलिस ने उपनिरीक्षक साहिबमीत सिंह के विरुद्ध दुष्कर्म, धमकी और ब्लैकमेल के आरोपों में प्रकरण दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2023 में सामाजिक माध्यम के जरिए दोनों की पहचान हुई थी। बाद में आरोपी ने मुल्लांपुर बुलाकर होटल में नशीला पदार्थ पिलाया और बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया।

महिला निरीक्षक का आरोप है कि घटना के दौरान आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बना लिए तथा उन्हें सार्वजनिक करने की धमकी देकर लंबे समय तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी ने हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और लगातार ब्लैकमेल करता रहा।

शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी ने उसकी वैवाहिक जीवन में भी हस्तक्षेप किया। उसने कथित रूप से आपत्तिजनक वीडियो पति को भेजने की धमकी देकर उस पर तलाक लेने का दबाव बनाया। महिला का आरोप है कि बदनामी के भय से उसे तलाक लेना पड़ा। उसने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने दबाव बनाकर तीन बार गर्भपात कराया।

महिला निरीक्षक ने शिकायत में यह भी कहा है कि उसने आरोपी की मां को पूरी घटना की जानकारी दी थी, लेकिन उन्होंने पुलिस में जाने के बजाय दोनों की शादी कराने का आश्वासन देकर मामला शांत कराने का प्रयास किया। शिकायत में आरोपी की मां की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। दाखा थाना पुलिस ने 23 जुलाई की रात आरोपी उपनिरीक्षक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने आरोपी उपनिरीक्षक को निलंबित कर पुलिस लाइन भेज दिया है, जबकि उसकी मां की कथित भूमिका की भी जांच की जा रही है।

कनाडा में पंजाब की छात्रा की हत्या, साथ रह रहे युवक पर आरोप

▶▶ गला घोंटने से मौत की पुष्टि के बाद भारतीय युवक गिरफ्तार

एडमंटन, एजेंसी: कनाडा के एडमंटन शहर में पंजाब की 23 वर्षीय छात्रा दमनप्रीत कौर की गला घोंटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में उनके साथ रह रहे 22 वर्षीय भारतीय युवक रितिश कुमार को गिरफ्तार कर हत्या का आरोप लगाया है। दमनप्रीत कौर पंजाब के लुधियाना जिले के समराला की निवासी थीं। वह लगभग पांच वर्ष पहले अध्ययन वीजा पर कनाडा गई थीं। एडमंटन पुलिस के अनुसार नौ जुलाई को उन्हें एक घर में गंभीर अवस्था में पाया गया था। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान 12 जुलाई को उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद 14 जुलाई को हुए शव परीक्षण में उनकी मृत्यु का कारण गला घोंटना बताया गया। जांच के आधार पर पुलिस ने 22 जुलाई को रितिश कुमार को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध द्वितीय श्रेणी की हत्या का आरोप लगाया। अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह मामला साथ रह रहे साथी से जुड़ी हत्या का प्रतीत होता है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल इस प्रकरण में किसी अन्य आरोपी की तलाश नहीं की जा रही है। परिजनों के अनुसार दमनप्रीत कौर को उच्च शिक्षा के लिए कनाडा भेजने हेतु उनके माता-पिता ने ऋण लिया था।

यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच करीम खान पद से हटाए गए

▶▶ सदस्य देशों की सभा ने मतदान के बाद लिया निर्णय, कानूनी दल ने फैसले पर उठाए सवाल

हेग, एजेंसी: अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के मुख्य अभियोजक करीम खान को यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच पद से हटा दिया गया है। न्यायालय के सदस्य देशों की सभा ने शुक्रवार को मतदान के बाद उन्हें पद से हटाने का निर्णय लिया। करीम खान के कानूनी दल ने इस फैसले को राजनीतिक बताते हुए इसका विरोध किया है। उनका कहना है कि स्वतंत्र जांच समिति को उनके विरुद्ध कथित अनुचित आचरण के ठोस प्रमाण नहीं मिले। साथ ही यह भी दावा किया गया कि उन्हें अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर नहीं दिया गया।

करीम खान वर्ष 2024 में उस समय चर्चा में आए थे, जब उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और तत्कालीन रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके बाद अमेरिका ने करीम खान सहित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के कई अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाए थे। इस वर्ष जून में एक निगरानी समिति ने करीम खान पर अनुचित आचरण के आरोप लगाए थे। इसके बाद उन्होंने कुछ समय के लिए अपना पद छोड़ दिया था। अब सदस्य देशों की सभा के निर्णय के बाद उन्हें आधिकारिक रूप से पद से हटा दिया गया है।

विश्लेषण *यात्रियों के लिए बैठने की जगह घटी, अतिरिक्त आराम के लिए अलग से देना पड़ रहा शुल्क...*

चार दशकों में हवाई यात्रा की सीटें हुईं अधिक संकरी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: पिछले चार दशकों में हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए विमानों में बैठने की जगह लगातार कम होती गई है। विमानन क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न रिपोर्टों और विमान कंपनियों के सीट विन्यास के विश्लेषण के अनुसार वर्ष 1980 और 1990 के दशक में सामान्य श्रेणी की सीटों के बीच की दूरी 34 से 35 इंच होती थी। वर्तमान में अधिकांश विमान कंपनियों में यह दूरी घटकर 30 से 31 इंच रह गई है। भारत की कम लागत वाली विमान सेवाओं में यह दूरी केवल 28 से 29 इंच तक सीमित है।

रिपोर्टों के अनुसार पिछले चार से पांच दशकों में यात्रियों के पैरों के लिए उपलब्ध स्थान औसतन चार से सात इंच तक कम हो गया है। वहीं सीटों की चौड़ाई भी पहले के लगभग 19 इंच से घटकर 16.5 से 18 इंच के बीच रह गई है। दूसरी ओर वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार इसी अवधि में लोगों के शरीर की औसत चौड़ाई लगभग 8 से 13 प्रतिशत तक बढ़ी है। ऐसे में कम स्थान के कारण यात्रियों के लिए लंबे समय तक यात्रा करना पहले की तुलना में कम आरामदायक होता जा रहा है।

दुनिया भर की विमान कंपनियां अधिक पैरों की जगह वाली सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूल रही हैं। यह शुल्क यात्रा मार्ग और मांग के अनुसार अलग-अलग होता है। भारत में पसंदीदा या अधिक स्थान वाली सीट के लिए घरेलू उड़ानों में 500 से 2,000 रुपये तक अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है। वहीं कई अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं इसी सुविधा के लिए 3,000 से 10,000 रुपये तक अतिरिक्त शुल्क लेती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार सीटों की जगह कम किए जाने का प्रमुख कारण आर्थिक है। हवाई यात्रा की बढ़ती मांग और विमानन क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच विमान कंपनियां कम स्थान में अधिक यात्रियों को समायोजित करने की रणनीति अपना रही हैं। देश में वर्ष 2015-16 की तुलना में वर्ष 2025-26 तक हवाई यात्रियों की संख्या में 200 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। विमान निर्माता और विमान कंपनियों का मानना है कि हल्की और कम स्थान घेरने वाली सीटों के उपयोग से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

इसी दिशा में इटली की एक कंपनी ने बैठकर-खड़े रहने की शैली वाली नई सीट विकसित की है। कंपनी का दावा है कि इस प्रकार की सीटों के उपयोग से एक विमान में लगभग 20 प्रतिशत अधिक यात्रियों को स्थान दिया जा सकता है। यह अवधारणा अभी चर्चा का विषय बनी हुई है।